



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 130]

No. 130]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 13, 1980/वैशाख 23, 1902

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 13, 1980/VAISAKHA 23, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 13 मई, 1980

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 257 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 156/79 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 9 अप्रैल, 1979 को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 26 के अन्तर्गत आने वाले और वैद्युत भट्टी की सहायता से विनिर्मित इस्पात सिल्लियों को, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से छूट देती है जितना एक सौ रुपये प्रति मीटरी टन से अधिक हो :

परन्तु यह सब जब ऐसी इस्पात सिल्लियों का विनिर्माण निम्नलिखित सामग्री में से किसी से किया जाता है, भर्नातः—

(क) पुराना सोहा या इस्पात गलन स्क्रैप ।

(ख) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट सामग्री और तब अभ्युक्त इस्पात गलन स्क्रैप का सम्मिश्रण, जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है ।

- (ग) उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आने वाले किसी प्रकार के कच्चे लोहे, जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है, और उपर्युक्त (क) या (ख) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण ।
- (घ) विद्युत भट्टी की सहायता से इस्पात सिल्लियों के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले स्क्रैप स्क्रैप, रनर और राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण ।
- (ङ) लोहे और इस्पात के धातुित गलन स्क्रैप (लोहे और इस्पात के भारी गलन स्क्रैप से भिन्न) और उपर्युक्त (क) और (ख), (ग) या (घ), में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण ।
- (च) धातुित स्पंज सोहा और उपर्युक्त (क), (ख), (ग), (घ) या (ङ) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण ।

[सं० 53/180 के० 3 फा० सं० 139/25/79 सी एक्ट 4]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 13th May, 1980

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 257(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 156/79-Central Excises, dated the 9th April, 1979, the Central Government hereby exempts steel ingots, falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central

cises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured with the aid of electric furnace, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of one hundred rupees per metric tonne :

Provided that such steel ingots are manufactured from any of the following materials, namely :—

- (a) old iron or steel melting scrap ;
- (b) a combination of the material referred to at (a) which the appropriate duty of excise has been paid;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above ;
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above ;
- (e) imported melting scrap of iron and steel (other than heavy melting scrap of iron and steel), in combination with the materials referred to at (a), (b), (c) or (d) above; and
- (f) imported sponge iron, in combination with the materials referred to at (a), (b), (c), (d) or (e) above.

[No. 53/80-C.E. F. No. 139/25/79-CX.4]

सां० का० नि० 258(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 159/79 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 9 अप्रैल, 1979 को अधिकारित करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद 26 कक के अन्तर्गत आने वाले और इससे उपाखण्ड सारणी के संक्षेप (2) में विनिर्दिष्ट लोहा और इस्पात उत्पादों को, उन पर उद्योगीय उद्देश्य के उत्पाद शुल्क से छूट देती है जिनका एक सौ रुपए प्रतिमीटरी टन से अधिक हों।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन
(1)	(2)
1.	मद सं० 26 कक के अन्तर्गत आने वाली सभी प्रकार की अर्ध-परिष्कृत इस्पात।
2.	मद सं० 26 कक की उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाले सभी उत्पाद।
3.	इस्पात कास्टिंग।

परन्तु इस अधिसूचना में दी गई छूट तब लागू होगी जब कि सारणी में उल्लिखित उत्पादों का विनिर्माण विशुद्ध भट्टी की सहायता से निम्नलिखित सामग्री में से किसी एक से किया जाता है, अर्थात्—

- (क) पुराना लोहा या इस्पात गलन स्क्रैप;
- (ख) उपर्युक्त (क) में निविष्ट सामग्री और ताज़ा अप्रयुक्त इस्पात गलन स्क्रैप का सम्मिश्रण, जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है;
- (ग) उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आने वाले किसी प्रकार के कच्चे लोहे जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है और उपर्युक्त (क) या (ख) में निविष्ट सामग्री का सम्मिश्रण;
- (घ) विद्युत भट्टी की सहायता से इस्पात मिलियों के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले स्कल स्क्रैप, रनर और राइजर्स तथा उपर्युक्त (क), (ख) या (ग) में निविष्ट सामग्री का सम्मिश्रण, (ङ) लोहे और इस्पात का आयातित गलन स्क्रैप (लोहे और इस्पात के भारी गलन स्क्रैप से भिन्न) और उपर्युक्त (क), (ख), (ग) या (घ) में निविष्ट सामग्री का सम्मिश्रण, और

(च) आयातित स्पंज लोहा और उपर्युक्त (क), (ख), (ग), (घ) या (ङ) में निविष्ट सामग्री का मिश्रण।

परन्तु यह और भी कि जहाँ उपर्युक्त उत्पाद ऐसे अर्ध-परिष्कृत इस्पात या इस्पात सिल्ली से बनाए जाते हैं जिन पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है वहाँ ऐसे उत्पादों को उन पर उद्योगीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट दी जाएगी।

[सं० 54/80 के० उ० का० सं० 139/25/79 सी-एक्स 4]

G.S.R. 258(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 159/79-Central Excises, dated the 9th April, 1979, the Central Government hereby exempts iron or steel products, falling under Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of one hundred rupees per metric tonne.

TABLE

S. No.	Description
(1)	(2)
1.	All forms or semi-finished steel falling under sub-item (i) of Item No. 26AA.
2.	All products falling under sub-item (ia) of Item No. 26AA.
3.	Steel castings.

Provided that the exemption contained in this Notification shall apply when the products mentioned in the Table are manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely :—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid ;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above ;
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;
- (e) imported melting scrap of iron and steel (other than heavy melting scrap of iron and steel), in combination with the materials referred to at (a), (b), (c) or (d) above; and
- (f) imported sponge iron, in combination with the materials referred to at (a), (b), (c), (d) or (e) above.

Provided further that where the products aforesaid are made from semi-finished steel or steel ingot on which the appropriate duty of excise has been paid, such products shall be exempt from the whole of the duty leviable thereon.

[No. 54/80-C.E. F. No. 139/25/79-CX.4]

स।० का० नि० 259 (ख).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के राजस्व और बीमा विभाग की अधिसूचना सं० 153/77-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 18 जून, 1977 को अधिकांश करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 26क के अन्तर्गत आने वाले लोहे या इस्पात के उत्पादों को, जो इससे उपावृद्धसारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उम्मेद शुल्क से, जिसका उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है, छूट देती है।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन	शुल्क की दर रुपए प्रति मीटरी टन
1. मद सं० 26क की उपमद (ii) के अन्तर्गत आने वाले सभी उत्पाद, निम्न सभी प्रकार की झलेपित प्लेटों, गालबिनीकृत फार्मों और गालबिनीकृत प्लेटों और चावरों के और/जिन उत्पादों के अन्तर्गत है— सादी और नालीदार—		
(क) शीत बेलित चावरें		650.00
(ख) अन्य		450.00
2. झलेपित प्लेटें		350.00
3. गालबिनीकृत प्लेटें और चावरें सभी प्रकार की जिनमें सादी और नालीदार भी सम्मिलित हैं,		850.00
4. प्लेट—		
(क) मोटाई में 5 मिलीमीटर से अधिक		450.00
(ख) मोटाई में 5 मिलीमीटर से अधिक किन्तु 10 मिलीमीटर से अधिक		350.00
(ग) मोटाई में 10 मिलीमीटर से अधिक		330.00
5. स्केप		552.50
6. पट्टियाँ (स्ट्रिप्स)		
(1) गालबिनीकृत पट्टियाँ (स्ट्रिप्स)		850.00
(2) गालबिनीकृत पट्टियों से भिन्न पट्टियाँ—		
(क) मोटाई में 5 मिलीमीटर से अधिक किन्तु 10 मिलीमीटर से अधिक और चौड़ाई में कम से कम 600 मिलीमीटर वाली लोहे और इस्पात की पट्टियाँ		350.00
(ख) अन्य शीत बेलित पट्टियाँ		650.00
(ग) अन्य तप्त बेलित पट्टियाँ		450.00
7. सीबनहीन पाइप और ट्यूब		350.00

परन्तु जहाँ सारणी में उल्लिखित उत्पाद उपर्युक्त अनुसूची की मद सं० 26 के अन्तर्गत आने वाली ऐसी इस्पात सिल्लियों से बनाए जाते हैं जिनकी कारखाने से निकासी 18 जून, 1977 के पूर्व शुल्क समुचित दर पर देकर की गई है, वहाँ सारणी के स्तंभ (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क दो सौ तीस रुपए प्रति मीटरी टन की दर से कम कर दिया जाएगा।

परन्तु यह और भी कि जहाँ उपर्युक्त सारणी में उल्लिखित उत्पाद ऐसे अर्द्ध-परिष्ठाहित इस्पात से बनाए गए हैं जिन पर शुल्क समुचित दर से पहले ही दिया जा चुका है, या उपर्युक्त अनुसूची की मद सं० 26 के

अन्तर्गत आने वाली ऐसी इस्पात सिल्लियों से बनाए गए हैं जिनकी किसी कारखाने से निकासी, 18 जून, 1977 को भी उस के पश्चात् शुल्क देने पर की जाती है वहाँ भारणी के स्तंभ (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट शुल्क तीन सौ तीस रुपए प्रति मीटरी टन की दर से कम कर दिया जाएगा :

परन्तु यह और कि जहाँ यथास्थिति, ऐसी इस्पात सिल्लियों या अर्द्ध-परिष्ठाहित इस्पात पर दिया गया शुल्क जिसका उपयोग सारणी में उल्लिखित उत्पादों की किसी मात्रा के लिए किया गया है, ऐसे उत्पादों पर उद्ग्रहणीय शुल्क से अधिक है, वहाँ छूट मध्ये समायोजन की रकम उत्पादों की मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क की रकम तक सीमित होगी :

परन्तु यह कि सारणी में उल्लिखित ऐसे उत्पादों की वशा में, जो निम्नलिखित सामग्री में से किसी से विद्युत भट्टी की सहायता से विनिर्मित किए गए हों, अर्थात् :—

- पुराना लोहा या इस्पात गलन, स्केप,
- उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट सामग्री और नए अप्रयुक्त इस्पात गलन स्केप का सम्मिश्रण, जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है,
- उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आने वाले किसी प्रकार के लोहे जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क दे दिया गया है, और उपर्युक्त (क) और (ख), में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण।
- विद्युत भट्टी की सहायता से इस्पात सिल्लियों के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले स्केप, स्तर और राइजर तथा उपर्युक्त (क), (ख), या (ग) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण,
- लोहे और इस्पात का आयातित गलन (लोहे और इस्पात से भारी गलन स्केप से भिन्न) और उपर्युक्त (क), (ख), (ग), या (घ) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण, और
- आयातित स्पंज लोहा और उपर्युक्त (क) (ख), (ग), (घ) या (ङ) में निर्दिष्ट सामग्री का सम्मिश्रण,

सारणी के स्तंभ (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के सामने विनिर्दिष्ट शुल्क दो सौ तीस रुपए प्रति मीटरी टन की दर से कम कर दिया जाएगा।

[सं० 55/80 के० उ०/का० सं० 139/25/79-सी० एक्स०-4]

एस० के० मालहो, उप सचिव

G.S.R. 259(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 2 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 153/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, the Central Government hereby exempts iron or steel products, falling under Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description	Rate of duty
(1)	(2)	(3)
		(Rs. per metric tonne)
1.	All products falling under sub-item (ii) of Item No. 26AA, except uncoated plates, galvanised forms and galvanised plates and sheets, all sorts, including plain and corrugated—	
	(a) cold rolled sheets	650.00
	(b) others	450.00

1	2	3
2.	Uncoated plates	350.00
3.	Galvanised plates and sheets, all sorts including plain and corrugated	850.00
4.	Plates—	
	(a) not exceeding 5 millimetres in thickness.	450.00
	(b) exceeding 5 millimetres, but not exceeding 10 millimetres in thickness.	350.00
	(c) exceeding 10 millimetres in thickness	330.00
5.	Skelp.	552.50
6.	Strips—	
	(i) Galvanised strips.	850.00
	(ii) Other than galvanised strips—	
	(a) strips of iron and steel not below 5 millimetres, but not exceeding 10 millimetres, in thickness and of not less than 600 millimetres in width.	350.00
	(b) Other cold rolled strips.	650.00
	(c) Other hot rolled strips.	450.00
7.	Seemless pipes and tubes.	350.00

Provided that where the products mentioned in the Table are made from steel ingots, falling under Item No. 26 of the aforesaid Schedule, which have been cleared from the factory, prior to the 18th day of June, 1977, on payment of duty at the appropriate rate, the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the Table shall be reduced by the two hundred rupees per metric tonne.

Provided further that where the products mentioned in the aforesaid table are made from semi-finished steel on which duty at the appropriate rate has already been paid, or from steel ingots falling under Item No. 26 of the aforesaid Schedule which are cleared from the factory, on or after, the 18th day

of June, 1977, on payment of duty, the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the Table shall be reduced by three hundred and thirty rupees per metric tonne :

Provided also that where the duty paid on steel ingots or semi-finished steel, as the case may be, used in the Table is in excess of the duty leviable on such products, the amount eligible for adjustment towards the exemption shall be restricted to the amount of duty leviable on the quantity of the said products:

Provided also that in the case of the products mentioned in the Table manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

- (a) old iron or steel melting scrap ;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid ;
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) or (b) above;
- (d) skull scrap and runners and risers arising in the course of manufacture of steel ingots with the aid of electric furnace, in combination with the materials referred to at (a), (b) or (c) above;
- (e) imported melting scrap of iron and steel (other than heavy melting scrap of iron and steel), in combination with the materials referred to at (a), (b), (c) or (d) above; and
- (f) imported sponge iron, in combination with the materials referred to at (a), (b), (c), (d) or (e) above,

the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the Table shall be reduced by two hundred and thirty rupees per metric tonne.

[No. 55/80-C.E./F. No. 139/25/79-CX4]
S. K. MALHI, Dy. Secy.